

## PAPER-III PRAKRIT

### Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) \_\_\_\_\_  
(Name) \_\_\_\_\_
2. (Signature) \_\_\_\_\_  
(Name) \_\_\_\_\_

**J 9 1 1 2**

Time : 2 ½ hours]

OMR Sheet No. : .....  
(To be filled by the Candidate)

Roll No. 

--	--	--	--	--	--	--	--

  
(In figures as per admission card)

Roll No. \_\_\_\_\_  
(In words)

[Maximum Marks : 150]

Number of Pages in this Booklet : 8

Number of Questions in this Booklet : 75

### Instructions for the Candidates

- Write your roll number in the space provided on the top of this page.
- This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
- At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
  - To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
  - Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
  - After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
- Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.  
**Example :**

Ⓐ	Ⓑ	●	Ⓓ
---	---	---	---

  
where (C) is the correct response.
- Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only**. If you mark at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
- Read instructions given inside carefully.
- Rough Work is to be done in the end of this booklet.
- If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
- You have to return the test question booklet and Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
- Use only Blue/Black Ball point pen.
- Use of any calculator or log table etc., is prohibited.
- There is no negative marks for incorrect answers.

### परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

- पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
- इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
- परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
  - प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
  - कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चेक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।
  - इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
- प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।  
**उदाहरण :**

Ⓐ	Ⓑ	●	Ⓓ
---	---	---	---

  
जबकि (C) सही उत्तर है ।
- प्रश्नों के उत्तर केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
- अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
- कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
- यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
- आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
- केवल नीले/काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
- किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।
- गलत उत्तरों के लिए कोई अंक काटे नहीं जाएँगे ।

J-91-12

1

P.T.O.

**PRAKRIT****प्राकृत****Paper – III****पणहपत्तं – III****प्रश्नपत्र – III**

**Note :** This paper contains **Seventy Five (75)** objective type questions, each question carrying **two (2)** marks. Attempt **all** the questions.

**नोट :** इमम्मि पणहपत्ते **पंचसत्तरी (75)** बहुविकल्पियाणि पणहाणि सन्ति । पत्तेगं पणहं **दुवे (2)** अंकस्स अत्थि । **सव्वाणि** पणहाणि कारियाणि त्ति ।

**नोट :** इस प्रश्नपत्र में **पचहत्तर (75)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं । **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

- The alternative name of Bhagawati Sutra is  
भगवद्-सुतस्स अवरणामं अत्थि  
भगवती-सूत्र का वैकल्पिक नाम है  
(A) जम्बूद्वीप प्रज्ञप्ति (B) चन्द्र प्रज्ञप्ति  
(C) सूर्य प्रज्ञप्ति (D) व्याख्या प्रज्ञप्ति
- This is not an āgama work  
इमं आयम-गंथो णत्थि  
यह आगम-ग्रंथ नहीं है  
(A) दृष्टिववाद-अंग (B) दशवैकालिक  
(C) राजप्रश्नीय (D) समराइच्चकहा
- The subject matter of Setubandha Mahakavya is  
सेतुबन्ध महाकव्वस्स वण्ण-विसयमत्थि  
सेतुबन्ध महाकाव्य का वर्ण्य-विषय है  
(A) कृष्णकथा (B) रामकथा  
(C) अध्यात्म (D) दर्शन चिन्तन
- “जीवादी सद्वहणं सम्मत्तं”  
is the part of a gāthā from  
इमं गाहं सो इमम्मि गंथे पजुत्तं  
यह गाथाखंड इस ग्रंथ से है  
(A) द्रव्यसंग्रह (B) उत्तराध्ययनसूत्र  
(C) प्रवचनसार (D) आचारांग
- This poet has written verses on the praise of Prakrit  
पाइयस्स महत्ते अमुणा महाकइणा इमा गाहा  
लिहिदा अत्थि  
प्राकृत के महत्त्व पर इस महाकवि ने गाथा लिखी है  
(A) प्रवरसेन (B) वाक्यतिराज  
(C) कोऊहल (D) कृष्णलीलाशुक
- Prakrita Pengalam text belongs to this form  
प्राकृतपैंगलं इमस्स विहिस्स गंथो अत्थि  
प्राकृतपैंगलं ग्रन्थ इस विधा का है  
(A) कोशग्रन्थ (B) छन्दग्रन्थ  
(C) चरितग्रन्थ (D) कथाग्रन्थ
- The subject matter of ‘Dravya Sangraha’ is  
“द्रव्यसंग्रह” इमस्स गंथस्स वण्ण-विसयं अत्थि  
“द्रव्य-संग्रह” का वर्ण्य-विषय है  
(A) सप्त तत्त्व संग्रह (B) नव-पदार्थ संग्रह  
(C) षड् द्रव्यसंग्रह (D) वित्त संग्रह
- Sanskrit ‘ai’ is changed into Māhārāṣṭrī is  
सक्कय ‘ऐ’कारो मरहडुम्मि इमं रूवेणं  
परिवट्ठिओ होइ  
संस्कृत ‘ऐ’ महाराष्ट्री में इस रूप से परिवर्तित है  
(A) इ (B) ओ  
(C) अइ (D) अए
- This is the reason to saying Dvayāshrayakāvya to Kumārpālācurita.  
कुमारपालचरितं द्वयाश्रय-कव्व-कधणस्स इमं  
कारणमत्थि  
कुमारपालचरित को ‘द्वयाश्रय काव्य’ कहने का कारण है  
(A) अलंकार और गद्यप्रयोग  
(B) जीवनचरित और व्याकरण  
(C) पद्य और गद्य-मिश्रण  
(D) दो भाषाओं का प्रयोग

10. The following group of works are written in Shaurseni Prakrit :

अहोलिहिदा गंथ समूह शौरसेनी पाइय-भासा-गंथा संति

निम्न ग्रन्थ-समूह शौरसेनी प्राकृत में हैं

- (A) लीलावट-कहा, कंसवहो, गडडवहो  
(B) समराइच्चकहा, सेतुबन्धो, आरामसोहाकहा  
(C) णियमसारो, समयसारो, दव्वसंगहो  
(D) समवायंग सुतं, आचारंग सुतं, वियाहपण्णत्ति

11. The actual meaning of the word Pasand used in Asokan Inscription is असोगस्स सिलालेहे पजुत्तं 'पासंड' सदस्स अहिप्पायो अत्थि

अशोक के शिलालेखों में प्रयुक्त 'पासंड' शब्द का अभिप्राय है

- (A) सम्प्रदाय (B) जाति  
(C) अन्धविश्वास (D) धूर्त

12. Read the Unit-I and II for the correct match :

पढमं बीयं य समूहं सुट्टु मिलाणत्थं पढउ  
प्रथम और द्वितीय समूहों को सही मिलान के लिए पढ़िए :

**सूची - I**

**सूची - II**

- |                 |                  |
|-----------------|------------------|
| (a) सेतुबन्ध    | (i) विमलसूरि     |
| (b) वज्जालगं    | (ii) हरिभद्रसूरि |
| (c) पउमचरियं    | (iii) प्रवरसेन   |
| (d) समराइच्चकहा | (iv) जयवल्लभ     |

Identify the correct match :

सुट्टु मिलाणस्स उत्तरं लिहउ :

सही मिलान की पहचान कीजिए :

**कूट :**

- (A) (a) + (iii) (B) (b) + (ii)  
(C) (c) + (iv) (D) (d) + (i)

13. Acārya Hemachandra and King Kumārapala were related as

आचार्य हेमचंद्रस्स कुमारपाल णिवेण सह इमो संबंधो अत्थि

आचार्य हेमचन्द्र और नृप कुमारपाल के बीच सम्बन्ध था

- (A) पिता-पुत्र (B) मन्त्री-राजा  
(C) शासक-कर्मचारी (D) गुरु-शिष्य

14. This part of Rāmāyana was basis of the story of 'Setubandha'

'सेतुबन्ध'स्स कहाधारं रामायणस्स इमं कांडं अत्थि

'सेतुबन्ध' की कथा का आधार रामायण का यह काण्ड है

- (A) युद्धकाण्ड (B) अयोद्धाकाण्ड  
(C) बालकाण्ड (D) सुन्दरकाण्ड

15. Actor Samvāhaka of Mracchakatikam was servant of 'मृच्छकटिक'स्स संवाहको णामगं पत्तं इमस्स सेवगं आसी

मृच्छकटिक का पात्र संवाहक इनका सेवक था

- (A) शकार (B) चारुदत्त  
(C) बसन्तसेना (D) राजा

16. 'Kupalaya Malakaha' belongs to this literary category

'कुवलयमालाकहा' इमस्स साहित्य विहीएगंथो अत्थि

'कुवलयमालाकहा' इस साहित्य-विधा का ग्रन्थ है

- (A) खण्ड काव्य (B) नाटक  
(C) महाकाव्य (D) चम्पू

17. 'Charitaṁ khlu dhmmo' is found in 'चारितं खलु धम्मो' इमम्मि गंथे अत्थि

'चारितं खलु धम्मो' इस ग्रंथ में है

- (A) द्रव्यसंग्रह (B) प्रवचनसार  
(C) उत्तराध्यनसूत्र (D) आचारांगसूत्र

18. The example of changing 'a' into 'e' is अकारस्स ठाणे एकार परिवट्ठणस्स उदाहरणं इमं अत्थि

अकार के स्थान में एकार के परिवर्तन का यह उदाहरण है

- (A) सण्वे (B) कालेणं  
(C) सेउ (D) सेज्जा

19. Changing of vowel from one to another is a feature of एगाओ, सराओ सरंतरे परिवट्ठणस्स नियमो इमम्मि पाइअम्मि

एक स्वर से दूसरे स्वर में परिवर्तन का नियम इस प्राकृत में है

- (A) शौरसेनी (B) आभीरी  
(C) अपभ्रंश (D) महाराष्ट्री

20. “सिद्धत्थपमाणो वि वइर विसेसो गुरुसहावो”  
the subject matter of this is  
‘सिद्धत्थपमाणो वि वइर-विसेसो गुरुसहावो’  
अस्स पंत्तिस्स वण्ण-विसया अत्थि  
‘सिद्धत्थपमाणो वि वइर-विसेसो गुरुसहावो’ का  
वर्ण्य-विषय यह है  
(A) बैर के फल को बतलाना  
(B) गुरु के स्वभाव को बतलाना  
(C) सिद्धार्थ के जीवन का वर्णन  
(D) कुवलयमाला का सौन्दर्य वर्णन
21. This is the meaning of ‘उच्छरई’ in the  
sentence उच्छरई तमो गयणो ।  
‘उच्छरई तमो गयणो’ इमहि कहणे ‘उच्छरई’  
सदस्स अत्थो अत्थि  
‘उच्छरई तमो गयणो’ में उच्छरई का अर्थ है  
(A) आ रहा है (B) अस्त हो रहा है  
(C) फैल रहा है (D) ऊँचा हो रहा है
22. The author of Nayakumar Chariu is  
णायकुमार चरिउए इमस्स लेहगो अत्थि  
णायकुमार चरिउ का लेखक है  
(A) स्वयम्भू (B) देवसेन  
(C) पुष्पदन्त (D) धरसेन
23. Simili of a person without puruṣārtha  
is given in Kuvalayamāla as  
कुवलयमाला कहा-गंथे पुरुसत्थविहीणस्स णरस्स  
उवमा पदत्ता  
कुवलयमालाकहा में पुरुषार्थ से रहित व्यक्ति की  
उपमा दी गयी है  
(A) कमलपुष्प (B) ईख-पुष्प  
(C) गुलाबपुष्प (D) चम्पापुष्प
24. ‘रमणिज्जे वि अत्थे ण सुंदरा सद्दावली’  
Statement used by  
‘रमणिज्जे वि अत्थे ण सुंदरा सद्दावली’ कहणं  
अस्स पत्तस्स अत्थि  
‘रमणिज्जे वि अत्थे ण सुंदरा सद्दावली’ कथन  
इस पात्र का है  
(A) कर्पूरमंजरी (B) विचक्षणा  
(C) वसन्तसेना (D) विदूषक
25. This is not a Prakrit Chhanda-work  
इमं पाइय छंद गंथं णत्थि  
यह प्राकृत छन्द-ग्रन्थ नहीं है  
(A) वृत्तजाति समुच्चय  
(B) प्राकृत पैंगलम्  
(C) वसुदेवहिंडी  
(D) कविदर्पण

26. The second name of Deśināmamālā is  
देसीनाममालाए वीयो णाम अत्थि  
देशीनाममाला का दूसरा नाम है  
(A) कविदर्पण  
(B) रमणावली  
(C) पाइयलच्छीनाममाला  
(D) गाहालक्खण
27. The name of wife of Mahakavi  
Rājashekhara is  
महाकवि रायसेहरस्स भारिया-णाम इमा अत्थि  
महाकवि राजशेखर की पत्नी का नाम है  
(A) प्रियंवदा (B) अवन्तिसुन्दरी  
(C) आनन्दसुन्दरी (D) रंभा
28. Samvāhaka and Radanikā are actors of  
संवाहगो रदनिका य अस्स गंथस्स पत्ता संति  
संवाहक और रदनिका इस ग्रन्थ के पात्र हैं  
(A) मृच्छकटिकं  
(B) आनन्दसुन्दरी  
(C) अभिज्ञानशाकुन्तलं  
(D) कर्पूरमंजरी
29. ‘Nāyakumar Chariu’ is composed in  
this language  
‘णायकुमारचरिउ’ इत्तस्स भासा इमा अत्थि  
‘णायकुमारचरिउ’ इस भाषा में लिखित है  
(A) महाराष्ट्री प्राकृत (B) शौरसेनी प्राकृत  
(C) अपभ्रंश (D) मागधी प्राकृत
30. Changing of intervocalic ‘t’ into ‘d’  
is in  
सरमज्झत्था ‘त’कारस्स इमम्मि ‘द’ होइ  
स्वरमध्यवर्ती ‘त’ का ‘द’ इसमें होता है  
(A) शौरसेनी (B) महाराष्ट्री  
(C) गान्धारी (D) इनमें से कोई नहीं
31. What is the language of Vidūṣaka in  
dramas ?  
णाडगाणं विदूसगस्स भासा का ?  
नाटकों में विदूषक की भाषा क्या है ?  
(A) मागधी (B) शौरसेनी  
(C) शाकरी (D) पैशाची
32. The language of the female characters  
in the drama while singing is  
नाडगम्मि महिलाए गेज्जभासा इभाअत्थि  
नाटकों में महिलापात्र की गेय भाषा यह है  
(A) पैशाची (B) आवन्ती  
(C) दाक्षिणात्या (D) महाराष्ट्री

33. 'Iti' the indeclinable while stands in the initial position of a sentence changes into  
वक्कस्स आदीए 'इति' अव्वअस्स परिवत्तणं होइ  
वाक्य के आदि में 'इति' अव्यय का परिवर्तन होता है  
(A) इइ (B) इअ  
(C) इत्ति (D) अइ
34. The word 'vajra' changes into Prakrit as  
'वज्र' सद्दो पाइअम्मि इमंरुवेणं परिवहणं होइ  
'वज्र' शब्द प्राकृत में इस रूप में परिवर्तित होता है  
(A) वज्ज (B) वइर  
(C) वयर (D) वअर
35. Change the word 'grahapati' in Prakrit as  
'गृहपति' सद्दस्स पाइअरुवं इमं अत्थि  
'गृहपति' शब्द का प्राकृत रूप यह है  
(A) घरवइ (B) गेहवइ  
(C) गहवइ (D) घरपति
36. Optative form of root 'gaccha' is  
'गच्छ' धाउए विधिलिङ् रुवं अत्थि  
'गच्छ' धातु के विधिलिङ् का रूप है  
(A) गमिस्सइ (B) गच्छेज्जा  
(C) गच्छउ (D) गमंतु
37. Sanskrit visarga with 'i' ending turns into Prakrit as  
सक्कयस्स विसग्ग सहिओ 'इ-कारान्त' सद्दस्स  
इकारो पाइअम्मि इमं होइ  
संस्कृत विसर्गसहित इकारान्त शब्द के 'इ' का प्राकृत में यह होता है  
(A) आ (B) ई  
(C) ए (D) इ
38. Krtvā is changed into Prakrit as  
'कृत्वा' पाइअ भासाए इमं होइ  
'कृत्वा' का प्राकृत में यह होता है  
(A) करिअ (B) काऊण  
(C) कओ (D) कलेदि
39. In Māgadhi 'dy' is changed into  
मागदीए 'द्य' कारस्स इमं परिवट्ठणं होइ  
मागधी में 'द्य' का परिवर्तन होता है  
(A) द्द (B) ज्ज  
(C) य्य (D) द्य

40. The language of 'Nāyakumāra chariū' is  
'णायकुमारचरिउ' कव्वस्स भासा इमा अत्थि  
'णायकुमारचरिउ' की भाषा यह है  
(A) अर्धमागधी (B) अपभ्रंश  
(C) शौरसेनी (D) पेशाची
41. जीवो उवओगमओ अमुत्ति कत्ता सदेह परिमाणो ।  
भोत्ता संसरत्थो सिद्धो सो विस्ससोड्ढगई ॥  
This verse is found in  
इमा गाहा इमम्मि गंधे अत्थि  
यह गाथा इस ग्रंथ में है  
(A) समयसार (B) उत्तराध्यनसूत्र  
(C) द्रव्यसंग्रह (D) सन्मतितर्कप्रकरण
42. The author of 'Sanmati-tarka-prakaranam' is  
'सन्मतितर्कप्रकरणं' इत्तस्य लेहगो अत्थि -  
'सन्मतितर्कप्रकरणं' का लेखक है -  
(A) सिद्धसेन (B) धरसेन  
(C) गुणधर (D) कुंदकुंद
43. Point out the source language in between Prakrit Language and the M.I.L.  
पाइअ-भासाअ अहुनिय भारहस्स भासा सह  
संजोजिका-भासा का ?  
प्राकृत-भाषा की आधुनिक भारतीय भाषाओं की संयोजिका भाषा कौन है ?  
(A) वैदिक (B) संस्कृत  
(C) पालि (D) अपभ्रंश
44. Pravacana-sāra was written by  
पवयणसारस्स लेहगो अत्थि -  
प्रवचनसार के लेखक हैं -  
(A) हरिभद्र (B) सिद्धसेन  
(C) शुभचंद्र (D) कुंदकुंद
45. 'Jayadhavala' is the commentary on  
'जयधवला' अस्स गंधस्स टीका अत्थि -  
'जयधवला' इस ग्रंथ की टीका है -  
(A) गोम्मटसार (B) समयसार  
(C) द्रव्यसंग्रह (D) कसायपाहुड
46. 'मिहिलाए डज्झमाणीए न मे डज्झइ किंचण'  
This is the statement of -  
इमं अस्स वत्तव्वं अत्थि -  
यह इनका वक्तव्य है -  
(A) गौतम (B) संभूत  
(C) नमि (D) केशी



47. Prakriti, Sthiti, Anubhāga and Pradeśa are the four kinds of पर्यायशब्दों अणुभागप्रदेश इमस्स चतुर्विधा भेदा संति -  
प्रकृति, स्थिति, अनुभाग और प्रदेश ये इसके चार भेद हैं -  
(A) जीव (B) पुद्गल  
(C) बंध (D) अस्तिकाय
48. Kinds of उपयोग are उवओगस्स वियप्पाइमा संति -  
उपयोग के विकल्प हैं -  
(A) तीन (B) चार  
(C) दो (D) पाँच
49. Number of Guṇasthānas are गुणस्थानस्स संख्या इमा अत्थि -  
गुणस्थानों की संख्या है  
(A) आठ (B) दो  
(C) चौदह (D) बारह
50. The meaning of आयंकदंसी is आयंकदंसी सदस्स अत्थं अत्थि :  
आयंकदंसी शब्द का अर्थ है :  
(A) आचारहब्रा (B) आत्महब्रा  
(C) अन्तहब्रा (D) आतंकहब्रा
51. The meaning of Mūlatthāna in “Je gune se Mūlatthāne, je Mūlatthāne se gune” indicates :  
“जे गुण से मूलद्वाने, जे मूलद्वाने से गुणे” अहिं पदे मूलद्वानस्स अत्थं अत्थि :  
“जे गुणे से मूलद्वाने, जे मूलद्वाने से गुणे” पद में मूलद्वान का अर्थ है :  
(A) संसार (B) गुण  
(C) सूत्र (D) तत्त्व
52. The founder of Mūlasaṅgha is मूलसंघस्स आइ-पवत्तगो अत्थि  
मूलसंघ के आदि प्रवर्तक हैं  
(A) धरसेन (B) कुन्दकुन्द  
(C) गुणधर (D) समन्तभद्र
53. The meaning of Samaṇa is समण सदस्स अत्थं अत्थि  
समण शब्द का अर्थ है  
(A) समसुहदुक्खो (B) समनस्क  
(C) भंगविहीणो (D) अणंतवरवीरिओ

54. Avagraha, Ihā, Avaya and Dharaṇā are the stages of अवग्रह, ईहा, अवाय तह धारणा रुव चउविह अवत्थि अस्स संति  
अवग्रह, ईहा, अवाय और धारणा ये चार स्थितियाँ इसकी हैं :  
(A) अतीन्द्रिय प्रत्यक्ष (B) इन्द्रिय प्रत्यक्ष  
(C) अनुमान (D) आगम
55. ‘Uttarādhyayan-Sūtra’ is known as ‘उत्तरज्झयणसुत्त’ गंथो इमम्म पयारे पसिद्धो अत्थि  
‘उत्तराध्ययन-सूत्र’ इस प्रकार में प्रसिद्ध है  
(A) मूलसूत्र (B) चंपूकाव्य  
(C) कथाकाव्य (D) नाट्यकाव्य
56. The discussing Keshi with Gautam is found in this work  
केशी-गोयम संवादो इमम्म गंथे वणिणतो अत्थि  
केशी-गौतम का संवाद इस ग्रन्थ में वर्णित है  
(A) आचारंग-सुत्त (B) उवासगसुत्त  
(C) उत्तरज्झयणसुत्त (D) पवयणसार
57. In एगंतमहिद्धिओ, the record ‘एगन्त’ connotes the meaning  
एगंतमहिद्धिओ पए ‘एगंत’ सदस्स आसयं अत्थि  
‘एगंतमहिद्धिओ’ में ‘एगंत’ शब्द का आशय है  
(A) पृथक् (B) मोक्ष  
(C) एकान्तपक्ष (D) अंश
58. The language used in the preachings of Lord Mahavira is महावीर सामिस्स उवएसाणं भासा इमा अत्थि  
म. महावीर के उपदेशों की भाषा यह है  
(A) अर्धमागधी (B) मागधी  
(C) शौरसेनी (D) महाराष्ट्री
59. This is called ārsa Prakrita इमा आरिसंपाइयं अत्थि  
यह आर्ष प्राकृत है  
(A) चूलिका पैशाची (B) अपभ्रंश  
(C) मागधी (D) अर्धमागधी
60. The name of the first chapter of the Āyāraṅga is आचारंगस्स पढम अज्मयणस्स णामा अत्थि  
आचारंग के प्रथम अध्ययन का नाम है  
(A) धियं (B) विमोक्खो  
(C) सत्थ परिण्णा (D) लोगविजओ

61. Maximum Prakrit languages are used in this work  
सव्वाहिय पाइय-भासा-समूहा इमम्मि गंधे पजुत्ता संति  
सबसे अधिक प्राकृत भाषाएँ इस ग्रन्थ में प्रयुक्त है  
(A) वेणीसंहार (B) मृच्छकटिकं  
(C) मुद्राराक्षस (D) कर्पूरमंजरी
62. Candaleha work belongs to this form of literature  
चंदलेहा-गंधो इमा विहा गंधो अत्थि  
'चन्दलेहा' ग्रन्थ इस 'विधा' का ग्रन्थ है  
(A) सट्टक (B) काव्य  
(C) कथा (D) महाकाव्य
63. The Alamkāradarppana is composed in  
अलंकार-दर्पण इमम्मि भासम्मि लिहिदा अत्थि  
अलंकारदर्पण इस भाषा में लिखित है  
(A) पालि (B) अपभ्रंश  
(C) प्राकृत (D) संस्कृत
64. In the beginning of 'Kūvalayamāla' salutation is done to  
कुवलयमालाकहा-गंधस्स पारंभे अस्स वंदणा कारिदं  
'कुवलयमालाकहा' के प्रारम्भ में इनकी वन्दना की गयी है  
(A) शिव की (B) विष्णु की  
(C) तीर्थंकरों की (D) आचार्यों की
65. Māgadhi in Sanskrit drama is spoken by  
संकिद नाडबो मगही-भासाअ पओगं इमं पत्तं करेइ  
संस्कृत नाटक में यह पात्र मागधी में बोलता है  
(A) राणी (B) धीवर  
(C) राजा (D) द्वारपाल
66. The number of Astikāyas is  
अत्थिकाय इत्तस्स भेद-पयारं संति  
अस्तिकाय की संख्या है  
(A) पंचभेद-प्रकार (B) चार भेद प्रकार  
(C) सप्त भेद प्रकार (D) छह भेद प्रकार
67. This is an example of Māgadhi  
मगही-पाइय उदाहरणं इमं अत्थि  
यह मागधी प्राकृत का उदाहरण है  
(A) पुलिशे (B) अज्जा  
(C) रामो (D) राओ

68. The appropriate form of 'gacchati' in Śaurasenī is  
सौरसेनी पाइयम्मि 'गच्छति' सदस्स उवजुत्तं रुवं अत्थि  
शौरसेनी-प्राकृत में 'गच्छति' का उपयुक्त रूप है  
(A) गमइ (B) गमति  
(C) गच्छइ (D) गच्छदि
69. Example of the progressive assimilation is  
पुरोगामि समीकरणस्स इमं उदाहरणं अत्थि  
यह पुरोगामि समीकरण का उदाहरण है  
(A) पुत्त (B) स्मग  
(C) अज्ज (D) अप्प
70. This is not an Agama work  
इमं आयामगंधं णत्थि  
यह आगम-ग्रन्थ नहीं है  
(A) दृष्टिवाद (B) समवायांग  
(C) राजप्रश्नीय (D) समराइच्चकहा
71. The author of Samayasara is  
समयसारस्स लेहगो अत्थि  
समयसार का लेखक है  
(A) आचार्य हरिभद्र (B) आचार्य कुन्दकुन्द  
(C) आचार्य हेमचन्द्र (D) आचार्य शिवाय
72. 'प्रकृतिः संस्कृतं । तत्र भवं ततः आगतं वा प्राकृतम् ।'  
Above statement is said by –  
उवरि उत्तं कहणं अणेण आयरियेण कहिदं  
उपर्युक्त कथन इस आचार्य द्वारा कहा गया है  
(A) शुभचंद्र (B) हेमचंद्र  
(C) मार्कंडेय (D) चंड
73. The 'Sammāsaṭṭam' deals with  
सम्मइसुत्तस्स विसयं इमं अत्थि  
'सम्मइसुत्त' का विषय इस पर केन्द्रित है  
(A) कथा-स्वरूप (B) जगत्कर्तृत्व  
(C) परमात्मस्वरूप (D) अनेकान्तवाद
74. The author of the 'Nāyakamāraṇḍī' is  
'णायकुमारचरिउ' गंधस्स लेहगो इमो अत्थि  
'णायकुमारचरिउ' के लेखक हैं  
(A) हेमचन्द्र (B) पुष्पदन्त  
(C) हरिभद्र (D) स्वयम्भू
75. Kharvela Inscription is found at  
खारवेल-सिलालेहं अत्तत्थले पत्तं अत्थि  
खारवेल-शिलालेख यहाँ उपलब्ध हुआ है  
(A) धौली (B) सारनाथ  
(C) जूनागढ़ (D) उदयगिरि-खण्डगिरि

**Space For Rough Work**

www.upscstudymaterials.com



UGC - NET JUNE 2012

PAPER : PAPER III

OPTION :

SUBJECT : ( 91 ) PRAKRIT

QNO	KEY	QNO	KEY	QNO	KEY	QNO	KEY
1	D	26	B	51	A	76	
2	D	27	B	52	B	77	
3	B	28	A	53	A	78	
4	A	29	C	54	B	79	
5	B	30	A	55	A	80	
6	B	31	B	56	C	81	
7	C	32	D	57	C	82	
8	C	33	B	58	A	83	
9	B	34	A	59	D	84	
10	C	35	C	60	C	85	
11	A	36	B	61	B	86	
12	A	37	B	62	A	87	
13	D	38	B	63	C	88	
14	A	39	C	64	C	89	
15	B	40	B	65	B	90	
16	D	41	C	66	A	91	
17	B	42	A	67	A	92	
18	A	43	D	68	D	93	
19	C	44	D	69	A	94	
20	A	45	D	70	D	95	
21	C	46	C	71	B	96	
22	C	47	C	72	B	97	
23	B	48	C	73	D	98	
24	B	49	C	74	B	99	
25	C	50	D	75	D	100	